प्रस्तावित पाठ्यक्रम

प्राच्य संस्कृत

शास्त्री द्वितीय वर्ष

त्रिवर्षीयपाठ्यक्रमः

प्राच्य संस्कृत

शास्त्री द्वितीय वर्ष

आधारपाठ्यक्रमः

(1) हिन्दी भाषा अंकाः 75

(विश्वविद्यालयेन निर्धारितं पाठ्यक्रमानुसारम्)

संस्कृत भाषा/ आंग्ल भाषा

(आंग्ल भाषा–केन्द्रीय अध्ययनमण्डलेन/विश्वविद्यालयेन निर्धारितं पाठ्यक्रमानुयसारं भविष्यति।

संस्कृत भाषा

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 75

पाठ्यकमपरिणामाः

1 सरलसंस्कृतसम्भाषणस्य दक्षता अधिग्रहणम्। 2 भारतीय संस्कृतेः ज्ञानम्।

3 धर्मशास्त्रस्य परिचयः। 4 अनुवादकलायाः दक्षता

(1)कारक प्रकरणं (सिद्धान्त कौमुदी) अंकाः 30

(2) प्रारंभिक रचनानुवाद कौमुदी (11–20 पर्यन्तम्) अंकाः 20

3 मनुस्मृति अंकाः20

अनिवार्य संस्कृतकाव्यम्

तृतीयं प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः100

पाठ्यक्रमपरिणामाः

1 नाटकविधायाः ज्ञानम्। 2 भारतीयसंज्ञकृतेः ज्ञानम्। 3 कवीनां परिचयः।

1 विक्रमोर्वशीयम् कालिदास विरचितम्

(1) विक्रमोर्वशीयम् कालिदास विरचितम्

(क) व्याख्यात्मकं भागः अंकाः 30

(ख) आलोचनात्मकं भागः अंकाः 20

(अंककथासार–चरित्रचित्रणं च)

(2) मध्यम व्यायोगः अंकाः 20

(3) संस्कृत साहित्येतिहासः अंकाः30

(रामायण–महाभारतम–महाकाव्यम्–पुराणानि

वैकल्पिकं ''क'' वर्ग

(1) नव्य व्याकरणम्

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

पाठ्यक्रमपरिणामाः

1 शब्दरुपज्ञानम्। 2 स्त्राप्रत्ययानां गूढार्थज्ञानम्। 3 व्याख्यापद्धतिज्ञानम्।

1 पौढमनोरमा शब्दरत्न सहिता –अजन्तपुंलिंगतः स्त्रीप्रत्ययाः अंकाः 80

2 शब्दरुप लेखनम् अंकाः 20

नव्यव्याकरणम्

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) कारकज्ञानम्। (2) व्याख्यापद्धतिज्ञानम्। (3) उपपदविभक्तिज्ञानम्

(1) प्रौढमनोरमाशब्दरत्नसहितम् (कारकप्रकरणम्) अंकाः 45

(2) न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्याः– अनुमानखण्डः अंकाः 45

(3) अशुद्धिसंशोधनम् (कारकदृष्ट्या) अंकाः 10

षष्ठ प्रश्न पत्रम् पूर्णांकाः 100

पाठ्यकमपरिणामाः

1 नव्यव्याकरणशैलीज्ञानम्। 2 धात्वर्थ ज्ञानम्।

(क) वैयाकरणभूषणसारः (सम्पूर्णम्) अंकाः 85

2 नव्यव्याकरणम् परिचयः अंकाः15

(2) साहित्यम्

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) महाकाव्यानां परिचयः।

(2) महाकाव्यकाराणां परिचयः।

(3) काव्यतत्वानां परिचयः।

पूर्णाकाः 100

चतुर्थ प्रश्नपत्रम्

(1) नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षरचितम् 5–7 सर्गा

(क)व्याख्यात्मकं भागः अंकाः 30

(ख)आलोचनात्मकं भागः अंकाः 15

(ग)खण्डकाव्यानां परिचयः अंकाः 15

(2) साहितदर्पणः 3–4 परिच्छेदौ अंकाः 40

साहित्यम्

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) बाणभट्टस्य परिचयः।

(2) गद्यसाहित्यस्य ज्ञानम्।

साहित्यम्

पूर्णांकाः 100

पंचमप्रश्नपत्रम्

(1) हर्षचरितम् बाणभट्टविरचितम् 1–4 उच्छवासाः

(क)श्लोक व्याख्या अंकाः 15

(ख) गद्यव्याख्या अंकाः 40

(ग) आलोचनात्मकं भागः अंकाः 20

(2) गद्यसाहित्यस्य उद्भवविकासश्च अंकाः25

(3) ज्योतिषम्

(1) सिद्धान्तज्योतिषम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) सिद्धान्तशिरोमणेःगणिताध्याययः

पंचमप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) चापीय–त्रिकोणमितिः अंकाः 50

(2) चलनकलनम् (आदितश्चतुर्थाध्यायपर्यन्तम्) अंकाः 30

(3) अर्वाचीनं ज्यौतिषम्– 9–16 अध्यायाः अंकाः 20

षष्ठप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) सूर्यसिद्धान्तः

(2) फलितज्योतिषम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) रमलनवरत्नम् अंकाः 40

(2) केरलप्रश्नसंग्रहः अंकाः 30

(3) मुहूर्तमार्तण्डस्य विवाहवास्तुप्रकरणे अंकाः 30

पंचमप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) केशवीयजातकपद्धतिः सोदाहरणं अंकाः 50

(2) भावकुतूहलम् –जीवनाथओझाकृतम् अंकाः 50

षष्ठप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) जैमिनिसूत्रम् अंकाः 50

(2) जातकालंकारः अंकाः 50

वैकल्पिक "ख" वर्ग

(1) हिन्दी साहित्य

सप्तमं प्रश्नपत्रम्

अंकाः 100

पाठ्य विषय –

1. मैथलीशरण गुप्त – भारत – भारती की कविताएँ

2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला –(1) सखि बसन्त आया ।

(2)वर दे, वीणा वादनी वर दे

(3)हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र

(4) तोड़ती –पत्थर

(5)राजे ने अपनी रखवाली की

3.सुमित्रानंदन पंत (1)बादल ।

(2)परिर्वन 2 पद

(1.खोलता इधर जन्मलोचन

2.आज का दुख कल का आल्हाद) (3) ताज

(4)झंझा में नीम

4. माखन लाल चतुर्वेदी (1)बली पंथी से

(2) सॉझ और ढोलक की थापें

(3) मै बेच रही हूँ ,दही

(4) उलाहना।

5. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय (1) सबेरे उठा तो धूप खिली थी ।

(2) साम्राज्ञी का नैवेद्य दान ।

(3) घर ।

(4) चांदली जी लो ।

द्रुतपाठ हेतु कवियों का अध्ययन किया जाएगा,जिन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेगें –

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय ''हरिऔध'' 2. सुभद्रा कुमारी चौहान । 3. श्रीकान्त वर्मा

इकाई विभाजन –

इकाई–1.व्याख्या

इकाई–2.गुप्त निराला

इकाई–3.पंत,चतुर्वेदी

इकाई–4.द्रुत के कवि एवं आधुनिक काव्य धारा का इतिहास (राष्ट्रीय काव्य धारा छायावाद ,प्रगतिवाद ,प्रयोगवाद ,नई कविता)

इकाई–5 वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यकम से)

हिन्दी साहित्य

अष्टम प्रश्नपत्र पूर्णांक 100

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक नाटक ,पॉच प्रतिनिधि निबंध और पॉच एकांकी का निर्धारण किया गया है।

नाटक–अंधेर नगरी– भारतेंदू हरिश्चंद्र

निबंध–

1 कोध –आचार्य रामचंद्र श्शुक्ल।

2 बसंत–डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी।

3 उस अमराई ने रामःराम कही है– डॉ विद्यानिवास मिश्र।

4 काव्येषु नाटकं रम्यम्– बाबू गृलाब राय।

5 बेईमानी की परत– हरिशंकर परसाई

एकांकी

1 औरंगजेब की आखिरी रात – डॉ रामकुमार वर्मा।

2 स्ट्राईक– भुवनेश्वर

3 एक दिन– लक्ष्मीनारायण मिश्र।

4 दस हजार– उदयशंकर भट्ट

5 मम्मी ठकुराईन– डॉ लक्ष्मीनारायण लाल

द्रुतपाठ के लिए तीन गद्यकारों का अध्ययन किया जायेगा ,जिन पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

1 राहुल सांकृत्यायन

2 महादेवी वर्मा

3 हबीब तनवीर

इकाई विभाजन–

इकाई–1.व्याख्या

इकाई–2 अंधेरनगरी एवं कोध, वसन्त, उस अमराई ने राम–राम कही है

इकाई–3 औरंगजेब की आखिरी रात,एक दिन,हजार,मम्मी ठकुराइन

इकाई–4 द्रुतपाठ के गद्यकार–राहुल सांकृतायन,महादेवी वर्मा,हबीब तनवीर।

इकाई–5 वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरीय प्रश्न (समग्र पाठ्य विषय से)

(2) राजनीतिशास्त्र

पूर्णांक– 100

सप्तम् प्रश्न पत्र

राजनैतिक विचार धारायें

1.व्यक्तिवाद
2.उपयोगितावाद
3.आदर्शवाद
4.राज्य समाजवाद
5.साम्यवाद
6.फासीवाद

7.अन्तर्राष्ट्रीयवाद 8.श्रेणी समाजवाद

9. श्रमिक संघ 10.बहुलकवाद

अनुशंसित पुस्तकें–

1.डा.एम.पी. शमा– आधुनिक राजनीति के विभिन्नवाद

2.डा.जी.पी. नागपाल –प्रमुख राज. विचारधारायें

3डा. गोविन्द प्रसाद शर्मा–प्रमुख राज, विचारधाराये

5.वीरकेश्वर सिंह–आधुनिक राज. विचारधारायें

6.पुखराज जैन–प्रमुख राज. विचारधारायें

राजनीतिशास्त्र

अष्टम् प्रश्न पत्र पूर्णांक –100

प्रमुख राजनैतिक विचारक–

अनुशंसित पुस्तकें –

1. के.एन.वर्मा :पाश्चात्य राजनैतिक विचारों का इतिहास

2. अर्गल और अंर्गल :प्रमुख राज ,विचारधाराये

3.सिंह एवं दुबे :प्रतिनिधि राज ,विचारक

3 इतिहास

सप्तम प्रश्नपत्र अंकाः 100

आधुनिक भारत का इतिहास 1700 ई से 1875 तक

1 भारत में विदेशियों का आगमन

2 अग्ल फांसीसी संघर्ष।

3 बंगाल एवं बिहार में अंग्रेजों के प्रभुत्व की स्थापना।

4 मराठों का पुनरुत्थान एवं पतन।

5 मैसूर का उत्थान एवं पतन। 6 क्लाइव से कैनिंग तक आंग्ल साम्राज्य का प्रसार।

अनुशंसित पुस्तकें

अ. भारत का वृहद् इतिहासः– डॉ मजूमदार एवं चौधरी एवं दत्त

ब. अर्वाचीन भारत का इतिहास–डॉ.ईश्वरी प्रसाद एवं सूबेदार

स.ब्रिटिश कालीन भारत– पी.ई.राबर्टस

द भारत का वृहद् इतिहासः–डॉ श्रीनेत्र पाण्डेय

इतिहास

अष्टम प्रश्नपत्र पूर्णांक 100

आधुनिक भारत का इतिहास एवं स्वतंत्रता संग्राम

(1875 ई0 से 1947 ई0 तक)

1 आंग्ल साम्राज्य का शुद्धिकरण लार्ड कैनिंग से लार्ड माउन्टबेटन तक

2 भारतीय पुनर्जागरण।

3 राष्टीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास।

पुस्तकें–

अ. भारत का वृहद् इतिहासः– डॉ मजूमदार एवं चौधरी एवं दत्त

ब. अर्वाचीन भारत का इतिहास–डॉ.ईश्वरी प्रसाद एवं सूबेदार

स.ब्रिटिश कालीन भारत– पी.ई.राबर्टस

द राष्टीय आंदोलन का संवैधानिक इतिहास– डॉ गुरुमुखहिल सिंह

द भारत का वृहद् इतिहासः–डॉ श्रीनेत्र पाण्डेय

4 भूगोल

सप्तम प्रश्न पत पूर्णांक 100

वायु मण्डल का संगठन तथा संरचना,सूर्याभिताप,वायुमंडल का तापमान ,वायु राशियॉ एवं वाताग्र,महासागरीय तल का उच्चावच, महासागरीय जल का तापमान,

महासागरीय जल में लवणता,महासागरीय लहरें एवं ज्वार भाटा।

प्रायोगिक भूगोल–

सर्वेक्षण की विधियॉं–निम्न उपकरणों क्षरा दिये हुए क्षेत्र का सर्वेक्षण–

1 श्रृंखला एवं फीता।

2 समपार्श्वीय दिक् सूचक।

भूगोल

अष्टम प्रश्नपत्र

पूर्णांक 100

भारत का भूगोल छत्तीसगढ के संदर्भ सहित

भारत का भौगोलिक अध्ययन निम्नलिखित शीर्षकों में

1 स्थिति सीमा विस्तार।

2 धरातल, प्रवाह, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी, उद्योग, जनसंख्या, आवागमन के साधन।

छत्तीसगढ का भूगोल– संरचना एवं उच्चावच अपवाह तंत्र

जलवायु, मिट्टी प्राकृतिक वनस्पति, जनसंख्या, प्रमुख जनजातियॉं, पर्यटन।

प्रायोगिक भूगोल–

सर्वेक्षण विधियॉं– निम्नलिखित विधियों द्वारा दिए हुए क्षेत्रों का सर्वेक्षण–

समपटल

(5) समाजशास्त्र

सप्तम् प्रश्न पत्र

पूर्णांक 100

समाजशास्त्र के सिद्धान्त

समाजशास्त्र की विभिन्न अध्ययन पद्धतियां :–

समाजिक नियंत्रण– सामाजिक नियंत्रण के विभिन्न साधन । भारतीय समाज में सामाजिकनियंत्रणकाऔचित्य ।

सामाजिक परिवर्तन का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न कारण। सामाजिक परिवर्तन के परिणाम। सामाजिक परिवर्तन के परिणाम।

प्रगति–

प्रगति का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, सामाजिक परविर्तन एवं प्रगति में अन्तर ।

उद्विकास– अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, उद्विकास की प्रक्रिया प्रगति एवं उद्विकास में अन्तर ।

सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न सिद्धान्त– रेखीय सिद्धान्त, चक्रीय सिद्धान्त, उद्विकासीय सिद्धान्त।

सामाजिक प्रक्रियाएँ– संगठनात्मक सामाजिक प्रक्रियाएँ ।

विघटनात्मक सामाजिक प्रक्रियाएँ ।

पुस्तकें:–

1.समाज शास्त्र के सिद्धान्त–गुप्ता एवं शर्मा

2.समाज शास्त्र के सिद्धान्त–डी. एस. बघेल ।

3.सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन– आर.एन. मुकर्जी

समाजशास्त्र
अष्टम प्रश्न पत्र

अंका: 100

सामाजिक विघटन एवं भारतीय सामाजिक समस्याएं

सामाजिक विघटन की अवधारणा ।

सामाजिक विघटन के प्रमुख प्रकार ।

भारतीय सामाजिक समस्याएं–

आत्महत्या, बाल अपराध, वेश्यावृत्ति, मद्यपान, भिक्षावृत्ति,निर्धनता, बेकारी।

समाजिक नियोजन एवं पुननिर्माण–

अर्थ, परिभाषा, महत्व, भारत में पुननिर्माण के प्रयास एवंयोजनाएं ।

भारत में समाज कल्याण केप्रमुख क्षेत्र–

श्रम कल्याण, शिशु एवं मात् कल्याण, जनजातीय कल्याण,सामुदायिक विकास ।

परिवार नियोजन– भारत में जनाधिक्या के कारण एवं परिवारकल्याण महत्व ।

पुस्तकें:–

1.सामाजिक विघटन–सरला दुबे

2.सामाजिक विघटन–मदनमोहन सक्सेना

3.भारत में सामाजिक समस्याएं–जी.आर. नंदन

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

शास्त्री(प्राच्य संस्कृत)

शास्त्री तृतीयवर्षम्